LIDA Stories

lidastories.net

मलिक की कहानी / Maliks historie

✎ LIDA Italia
☒ Vilius Aistis Vilimas
Pratibha Singh (hi), Espen Stranger-Johannessen (nb)

This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
https://creativecommons.org/licenses/by/4.0

मलिक की कहानी

Maliks historie

✎ LIDA Italia
☒ Vilius Aistis Vilimas
Pratibha Singh

4

हिन्दी hi / norsk nb

मेरा नाम मलिक है और मेरी उम्र 39 साल है। मेरा जन्म अफ़ग़ानिस्तान में हुआ था। मेरा धर्म अफ़ग़ानिस्तान के मुख्य धर्म से अलग है।

. . .

Jeg heter Malik og jeg er 39 år gammel. Jeg ble født i Afghanistan. Religionen min er forskjellig fra den største religionen i Afghanistan.

मैं एक दिन अफ़ग़ानिस्तान वापस जाने की उम्मीद करता हूँ। वहाँ कई लोगों को मदद की ज़रूरत है और मैं उनकी मदद करना चाहता हूँ।

. . .

Jeg håper jeg kan dra tilbake til Afghanistan en dag. Mange folk der trenger hjelp, og jeg vil gjerne hjelpe dem.

कई सालों से मेरे धर्म के लोगों को सताया जा रहा है। यह मेरे परिवार के लिए बहुत मुश्किलों भरा दौर रहा है।

. . .

I mange år har folk som tilhører min religion blitt forfulgt. Dette har vært veldig vanskelig for familien min.

कुछ साल पहले एक युद्ध हुआ था। मुझे डर था कि मुझे मार दिया जाएगा। मैंने यूरोप जाने और एक नया जीवन शुरू करने के लिए अपना परिवार छोड़ दिया।

• • •

For noen år siden var det krig. Jeg var redd for å bli drept. Jeg forlot familien min og prøvde å dra til Europa for å starte et nytt liv.

पढ़ाई के बाद मैंने काम करना शुरू किया। पहले मैंने एक रेस्तराँ में काम किया, और फिर मैं एक शिक्षक बन गया क्योंकि मैं दूसरों की मदद करना चाहता हूँ।

• • •

Etter studiene begynte jeg å jobbe. Først jobbet jeg på en restaurant, og deretter ble jeg lærer fordi jeg ville hjelpe andre.

मैंने पहली बार भाषा सीखने के लिए कई वर्षों तक अध्ययन किया। यह मश्कुल था, लेकिन मुझे नई चीज़ें सीखने में मज़ा आता है।

. . .

Jeg studerte i flere år, til å begynne med for å lære språket. Det var krevende, men jeg liker å lære nye ting.

मैं कई किलोमीटर चला। कभी-कभी मेरे पास खाना नहीं होता था और रहने के लिए कोई जगह नहीं होती थी। जिन लोगों के साथ मैंने यात्रा की उनमें से कुछ की मृत्यु हो गई।

. . .

Jeg gikk mange kilometer. Noen ganger hadde jeg hverken mat eller et sted å sove. Noen av de jeg reiste med, døde.

आखिरकार मैं पहुँच ही गया। वहाँ मैं अपने देश के कुछ लोगों से मिला, जिन्होंने मेरी मदद की। मुझे नहीं पता कि उनके बिना मेरा क्या होता।

. . .

Til slutt kom jeg fram. Jeg traff noen folk fra hjemlandet mitt som hjalp meg. Jeg vet ikke hva jeg ville ha gjort uten dem.

मैंने उनकी भाषा सीखनी शुरू की, लेकिन यह बहुत मुश्किल था। मैं जानता था कि नौकरी पाने के लिए उनकी भाषा बोलना बहुत ज़रूरी था।

. . .

Jeg begynte å lære språket, men det var vanskelig. Jeg visste at det å snakke språket var viktig for å få en jobb.